Press Desk
Ahmadiyya Muslim Jamaat
INTERNATIONAL
(INDIA)

شعبہ پریس اینڈ میڈیا بھارت
Office Press & Media
Ahmadiyya Muslim Jama'at India,
Qadian-143516, Distt.Gurdaspur, Punjab, India.
Mobile: +91-99887 57988
Email: pressamjindia@gmail.com
Tel: +91-1872-500282
ahmadiyya_press ahmadiyyapressindia

(A Registered Religious and Charitable Society in India under the Societies Registration Act XXI 1860)

زیرحوالہ/Ref

تاریخ/Date

खुदा तथा इस्लाम से सच्ची मुहब्बत करने के लिये आवश्यक है कि वह अपने देश के साथ प्रेम करे: हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद

प्रैस नोट:

अहमादिया मुस्लिम जमात भारत ने देश वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुये कहा है कि 26 जनवरी का ऐतिहासिक दिन भारत की उन्नति के बुनियाद रखता है। आज से 73 साल पहले भारत की आज़ादी के ढाई साल बाद सन 1950 में देश में जमहूरी निज़ाम की घोषणा की गई।

हिन्दुस्तान को यह फर्ख़ प्राप्त है कि आबादी के हिसाब से भारत दुनिया का सब से बड़ा गणतंत्र देश है। जहां हर धर्म, नस्ल तथा विभिन्न भाषायें बोलने वाले लोग इकटठे रहते हैं। जमाते अहमादिया के पांचवे रूहानी ख़लीफा हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ने सन 2012 में संबोधन करते हुये कहा था कि

हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लाहो-अलैहेवसलम ने यह शिक्षा दी है कि वतन से मुहब्बत करना ईमान का हिस्सा है। इस लिये इस्लाम अपने हर पैरोकार से देश से प्रेम की उम्मीद रखता है। जमाते अहमादिया के प्रवक्ता के तारिक अहमद ने जारी प्रैस बयान में कहा है कि जमाते अहमादिया की यह शिक्षा है कि ख़ुदा तथा इस्लाम से प्यार करने के लिये ज़रूरी है कि वह अपने देश से प्यार करे। यह बात स्पष्ट है कि ख़ुदा से प्यार तथा देश से प्यार के मध्य कोई टकराव नहीं हो सकता है। इस लिये इस्लाम में यह लाज़मी करार दिया गया है कि एक मुस्लमान को अपने देश से वफादारी का उच्च स्थान प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिये। क्योंकि इसके कारण ख़ुदा के निकट पहुंचा जा सकता है। जमाते अहमादिया ने देश के प्रति प्यार कायम करने के लिये इमाम जमाते अहमादिया की नसीहत पर अमल करने के लिये प्रेरित किया है।